जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन (एस.डब्ल्यू.एम.) के प्रचालन एवं रख–रखाव व्यवस्था का संक्षिप्त विवरण।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधनः–ठोस अपाशिष्ट प्रबंधन इस कार्यक्रम के मुख्य घटकों में से एक घटक है। गांव को स्वच्छ बनाने के लिये यह आवश्यक है कि आई.ई.सी. सम्बन्धी गतिविधियों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित किया जाए ताकि आबादी के बीच इन क्रियाकलापों के लिए महसूस की गई आवश्यकता पैदा की जा सके। इससे अपशिष्ट के वैज्ञानिक निपटान के लिए तंत्र की स्थापना इस प्रकार होगी, जिसका आबादी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। समुदाय/ग्राम पंचायत को आगे आने और ऐसे तंत्र की मांग करने के लिए प्रेरित करना होगा जिसका उन्हें बाद में परिचालन एवं अनुश्रवण करना है। ग्राम पंचायत को स्वच्छ बनाये जाने हेतु प्रत्येक परिवारों को एस.डब्ल्यू.एम. के कार्यो से जोड़ा जा रहा है, ग्राम पंचायतों को खुले में कूड़–करकट से मुक्त करते हुये ग्राम पंचायतों को ओ.डी.एफ. प्लस के अन्तर्गत स्वच्छ बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 एस.डब्ल्यू.एम. योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों में कूड़े–कचरे के निपटान के लिये कम्पोस्ट पिट, प्लास्टिक डम्पिंग यार्ड, खाद गड्ढ़ा, भस्मक एवं कूड़ा एकत्रीकरण केन्द्र (आर.आर.सी.) का निर्माण कराया गया है एवं कूड़ा गाड़ी के माध्यम से डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन कर आर.आर.सी. तक पहुँचाने का कार्य ग्रामों में तैनात सफाईकर्मी के माध्यम से किया जा रहा है एवं आर.आर.सी. पर कूड़े के पृथककरण का कार्य स्वयं सहायता समूह के महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।